

[illegible]

संस्पृशं दुःखं ४

नमो नमो मयि नमो नमो ॥ धनया वदम नयाय ॥ कर्मो जनि बुद्ध
खेरिग, पनियुपय पुनः पुनः नृत्यय मथयं ननयु मिम दलना
यका नरुदकं बुद्धनाथी नकलवा पुनमया यथमगमथागता
या नो वद हानन वदवद्रवा जानंति पब्धं मिम कुशलम
जार्जिक र्यनिकायं र्यब्धरावैजवद्रवा जयाधर्म मया सति

तत्कू सल मूलं २१ त क

अथ नित्यमनुरक्त्यायां सम्यक्वाधा गथा दृष्ट्या विनामिगं यदि
नामया मिगथाममानयन समोधिकोर्ल लोकत्यदृष्टव्यं सत्त्वोद
यच दृष्टव्यं कर्तव्यं सदा तु स भक्तिरमपुकागं च अथेवहनादृष्ट
शुगानूरुमति मागगाकापधक्क था यो गमुपागगावा सचप्यका
लं जगतादिगाय कथ्या लज्जं सत्त्वसंदिगाय ॥ अनूमादना ॥

॥ॐ स्वरावसूक्तं सर्वधर्माणां स्वरावसूक्तं इदं गूढं नाना ज्ञानं वज्रं
रावात्मका इदं ॥ धनं आपयाय ॥ यधर्माया ॥ यधर्मा इदं पुण्यं वाह
तुमं वागथागतं इदं वदं नवाक्रयानि ब्रह्मचरं वादिमहाधर्मं ॥
जाकिधमनं कुर्या ॥ ॥ धनं वलिहलं वनया ॥ ॐ इति ॥ आचमनं प्र
निरुत्वा हा ॥ न गार्थं कालं न वायुमधुलं न कालं न इति स धुलं न गमा
प न जागती हे जाग मुद

न म आका न जागं सू गं मो पम मां जातं न म
पनि मूला कन च उिका पत्रि सिता प द्वा रं ज रं न ग र का दि प त्रि प
त्रि तं न ग व लि वूं जां जिं रं दूं लो मां प्रां गों वं काल जात प क्ष म ग व
अप द्वा रं नृ य निष्ठा य ४ थ म व लि हलं व न य ॥ ॥ ॐ इति ॥ आदि
ला क पा ल थ पा या च म धी सा क्र म धी यु नि रुत्वा हा ॥ ॥ व लि ह ला
न वा य ॥ ॐ इति ॥ य हा हा ॥ ॐ य मा य हा हा ॥ ॐ व द्वा य हा हा ॥ ॐ

कवलाय स्वाहा ॥ ॐ जग्लेय स्वाहा ॥ ॐ मेराय स्वाहा ॥ ॐ वायव स्वाहा
 ॥ ॐ कृष्णनाय स्वाहा ॥ ॐ उद्धवृक्षन स्वाहा ॥ ॐ जडवृक्षि स्वाहा ॥
 ॐ सूर्याग्रहाधिप न स्वाहा ॥ ॐ चन्द्राग्रहाधिप न स्वाहा ॥ ॐ नागाय स्वा
 हा ॥ ॐ जक्राय स्वाहा ॥ ॐ जसूतय स्वाहा ॥ ॐ सर्वदिग् की दिग् साक
 पालय स्वाहा ॥ पक्षपक्षन पूजायाय ॥ ॐ वज्रगद स्वाहा ॥ इत्यादि

ॐ

x ॥ धनलाभकाय ॥ ॐ वज्रनाभ दं ॥ ॐ वज्रमालिनी ॥ ॐ वज्रगि
 नद्री ॥ ॐ वज्रनित्य ॥ ॐ वज्रपूर्वा दं ॥ ॐ वज्रसूयणी ॥ ॐ वज्रावला
 किनद्री ॥ ॐ वज्रवृक्ष ॥ ॐ नहमवज्र दं ॥ ॐ यमुवज्रगो ॥ ॐ धर्म
 दानुगुल्य ॥ ॥ वज्रकार्यपूयक ॥ ॐ नकिज दं ॥ ॐ वज्रधाम
 हाविना लोकपाला महद्वि का कालयनु दहा को द विघ्न देना रेगा

[illegible]

इत्यादा ॥ ॥ धनवलि सखावना ॥ ॐ रगवान्छी वल्य चनर काव
कं धव जपूषं प्रनिकु स्यादा ॥ लंखनय ॥ ॐ वज्ररम्य धुल्य सुव
नूजल धाव स्यादा ॥ विर्गनिक ॥ ॐ वज्रगद्गा वज्रनिल कै रव न स्यादा
॥ ऊजमका नय ॥ ॐ वस्ताने गम नमूजा मद्य स मूद्रुल न स मय दूज
रध प्रविस्तं वज्रवा सस्य स्यादा ॥ धूतय ॥ ॐ रगवान्छी जमूक विद्याना

जकुं मिश्रामि न नाथ महुल क नृधन म वीरिष्यानां म नृकं पायः
 श कमाकं पूजनाय व तगं मय रगदन प्रसा दं कुरु म नृद न निर्याग
 नृपास्त्रानि धिं वज्र धृ पं पुनिकु स्वाहा ॥ स्वां कय ॥ ॐ समस्त स्वस्ति व
 कुरुः त्यादि ५ ॥ हल जा कय ॥ ॐ वज्र ने वद्य स्वाय रय स्वाहा ॥ स
 व कय ॥ ॐ समया वा वज्र ने विद्य स्वाहा ॥ धा ला कय ॥ ॐ न भार ग

वल्य विन विन ४ ध नाय दं रुद स्वाहा ॥ म म विद्य ॥ ॐ नृग वि नास्त्रा वद
 नृत्त का स्वा न ना द्वि पुनिया द न म ह हा ला कल दिय माला ल वय नि
 नृ वज्र दिय निर्याग न या मि ॐ ५ ॥ ४ दं वज्र दि वं पुनिकु स्वाहा ॥ नाथ पूजा
 पाय मय ध मोरु रुय रा वा रु वज्र न या मि ५ ॥ ४ न नाध न व वादि माला रु
 व र्ण म श्र क माला काल मरु सर्व ध मा ना मार्य न र्थ न स्वा ॐ ५ ॥ ४ दं रुद म स्वाहा ॥ ५ ॥

ॐ ज माघ सिद्धय स्वाहा ॥ धन सिद्धि मरुः ॥ य स पः पः पः दा स या यः धन वः
 सु विमदानं धियः धनं सिद्धि मरुः ॥ धि स मा ल क या मः सिद्धि ल म यः ॥ वा कः
 ॥ ॐ उद्या गा वा ग व च क गा अनिल धू गा विद्वन्ना रा ष्ठ वा द ष्ठ वः
 लू विषयाः गे ला क मे गा पो ख दा वा य न गा व ध ह्ना ना न वा सा विला
 विष लू वाः खानन्द स दा रु ना रा वा रा व दि वा नू ना विवृ हि का वा वा दी

५०१६

का पा तु वः ॥ निर्मा ना वि दिनः सम स लग गा कार्या दि व धू वि ना वृ द्ध
 कंद व द द गि जाः व क ग या र द नि आ न द्रा व लि गा द्ध ग म ह्द ल तु वः वा
 वा हि कां व त सि ॥ सक रि नं त य धू न का डा म धु ल पा ग म त यः गु नू नं
 मि त कः थ का लिं गिय ॥ ॥ ध न थ का लिं म धु ल धि ल क खान वा य क
 ॥ वा क ॥ ॐ ह म ध म न व यं न म ॥ ॐ डी म ध म न व यं न म ॥ ॐ हू हू न म ध

मंत्रवर्नमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥
वह्नयपूजायाय॥ ॥धनजाकिलंयसथूर्यःमधुलसहायकःवक
॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥
काय॥मधुलधयक॥धर्मलंघवलिधय॥लंखवलिधय॥ ॥धनं
लिमरुनिरुयक॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥

॥समाप्त॥

य॥धनंलिःप्रिसमाधियाय॥ ॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥
ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥
नमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥
ममायुःज्ञानसहस्रः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥
नःप्रिकाः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥ॐॐॐर्वविदहयनमः॥

वन्धनाज्ञा का कल्पय कल्पय न्याया कियानमः सदाः॥ सुटियां काल
 नः॥ न्यगां रावयत् ॥ श्री का नमः दय क्लानं रुका वा दपु पुन्य न का
 वं मय रासर्व्यं । कः का वन क विरुक्ति मं । उ तर्ध सत्वा धवन रुपु
 शुक्र व ह्मि दि उ ज स म्बलः मात् मा नरा वयत् ॥ धन रुक् स धना ॥
 म दनू क न षा धन ॥ द त्रि द रुक् आ का व द सूर्य म धु ल ॥ वाम रुक् अरु

ल घ व द म धु ल ॥ उ रु न मः किं स्वा हा ॥ रुं वा ष ट ह्म रुं रुं रुं रुं रुं रुं
 जं ग षा धन ॥ उ वं हा यो दौ मां रुं रुं रुं रुं रुं रुं रुं ॥ ॥ व य च न्वा वा द
 न ॥ उ रुं स्वा हा व जं ॥ व ज का य ॥ उ रुं स्वा हा च धु ॥ य रुं का य ॥ उ व ज
 स ल स ग्रा हा न व ज न ल म न रु न ॥ व ज ध म ग म यि नी व ज क म रु न
 रु व ॥ घ रु ध म् व ज प य क ॥ उ रुं रुं रुं रुं रुं रुं रुं ॥ धा ल ३ ॥ ॥ व ज च धु ज

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥

कालमुखः सर्वधर्मानामर्थनृपनत्वात् ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
नयाय ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
राजनः श्रीकाशनः मामकिं कुरु ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥

गोबुध्न्यर्थेन किं

रथे वज्रसत्त्वसर्वतथागतः। एतन्मन्त्रवशात् वज्रपादादवतारः।
कुरुवज्रः ध्यानयात्रिंशद्वावज्रावकथया ज्ञातव्यः। एतन्मन्त्रवशात्
जीसर्वायानुवायधिवी। अगम्यगनी। एतपथागुमननी। नमस्तथा
गुनागकर्षनी। वायुधनुः यज्ञः। एतन्मन्त्रवशात् वज्रपादादवतारः।
ही। एतन्मन्त्रवशात् वज्रपादादवतारः। एतन्मन्त्रवशात् वज्रपादादवतारः।

दूकालपलिहामनः रगवनंकवृवर्धः षट्पदं प्रथमं उजास्याः व
जवजयधधनः द्वितियास्याः खड्गजनीयाः रतियास्याः उंस
नखदागः चतुस्रं कवृधमनकः पितृकाकाधधकवृ ॥ उलूका
धधमा ॥ धधनाधधनका ॥ सुकलाधधपीता ॥ यमदोनिद्वध
पिता ॥ यमदुनिपितनका ॥ यमद्विधनकाधधमा ॥ यममर्थनिध

मकवृ ॥ ॐ सरनिसरनिद्वद्व ॥ गद्वरद्वद्व ॥ गद्रापयद्वद्वद्व ॥
उं आनयद्वरगवनः विद्यानाजद्वद्व ॥ गगाजाकाधधलैः कावनः
सूर्यमधुलैः ॥ तन्मधुदूकालनः विधधवजं दूकालाधिधितं ॥ त
दक्षिनायः ॥ मरुलपमानः वजकक्षिकानूपैः वधगगवजम
पिरमिं विराय ॥ ॐ मदिनीवजीरवः वजवधव ॥ उवजपाका

वदूँखदूँ॥ उँवजपंजलदूँपेंदूँ॥ उँवजविमानदूँखंदूँ॥ उँवजमन
जालगंमं॥ उँवजहालानवाकूँदूँ॥ दूँकालअष्टदिग्याकालस
निकूँयनिवहितिमान॥ ॐ ह्रीं दिवी घ्रां ॥ हृदयकोत्रयं॥ उँघंघ
घाटयंरसर्वदूँखानेदूँरुदूँ॥ उँकिलयंरसर्वपायानदूँरुदूँ॥ उँव
जकिलयवजधनाआहाययंमि॥ सर्वविद्युविनायकोन्कायवा

॥ ३ ॥

कंचिलवजाकीलयदूँरुदूँ॥ उँवजमंगलवजकिलयआकाट
यदूँरुदूँ॥ ॐ मिनिविघ्रांरावयं॥ ॥ नगासददयसु॥ ॐ का
लवामिरिऊंमदधंरुत्वाअकनिष्ठुवनंगत्वा॥ नगुअष्टदिग्यां
सिद्धि॥ श्रीचक्रसंम्वलंलगवन्नलगवति॥ समापन्नं॥ समाधुलयं
॥ ॐ ॥ नगाद्विजः॥ वज्रिनालारिः॥ नाकसुहानचक्रं॥ आकाशदः॥ ॐ

विनसु नारुक्षयिषु दूंदूदद॥ उं मू दू न सफवा ताल गत शुजंग
सफवा तऊ य र स्या मा दवी य दूंदूदद॥ उं आ क य र स ए ड दूंदूद
द॥ उं दी र दू य क (लु) दूंदूदद॥ उं ह्री र खे ज्ञा नान न दूंदूदद॥
॥ ॐ गि वा क चक्र स्या ॥ ८ ॥ उं आ द्वा चक्र वरा दूंदूदद॥ उं हा हा
रवें लु ना दूंदूदद॥ उं दी दी मा ली नी य दूंदूदद॥ उं दूंदू चक्र वर्मि

नियद्दद्दद्द॥ उँ किलिरमहावलद्दद्दद्द॥ उँ गिविरमहावलद्द
द्दद्द॥ उँ धिविरचक्रवर्तिनियद्दद्दद्द॥ उँ दिविरमहादवि
यद्दद्दद्द॥ ॥ ॐ निकायचक्रस्य ॥ ८ ॥ उँ काकाष्ठाद्दद्द॥ उँ
उल्लाकाष्ठाद्दद्द॥ उँ स्वानाष्ठाद्दद्द॥ उँ सुकुलाष्ठाद्दद्द॥ ॐ मिचयु
दाव॥ ४ ॥ उँ यमदानियद्दद्द॥ उँ यमदुनियद्दद्द॥ उँ यम

अं ३

दंष्ट्रियद्दद्द॥ उँ यममर्धनियद्दद्द॥ ४ ॥ ॐ मि वि दि गा॥
०॥ उँ चं लु य हा य स्वाहा॥ उँ ग्र हा ना य स्वाहा॥ उँ ङा ली क ला य स्वा
हा॥ उँ क वं क रे व वा य स्वाहा॥ उँ दू द हा ङा य स्वाहा॥ उँ ल द्दि म व न दू
ता स ना य स्वाहा॥ उँ धा ली ध का वा य स्वाहा॥ उँ किलि किला व वा य
स्वाहा॥ ॥ ॐ नि प त्रि क र्म नं य च य हा न पू जा या य ॥ ॥

वाउहाला॥ उं वज वि न दू ॥ उं वज वं ॥ उं वज म दं ॥ उं
वज म न ज ॥ उं वज ल ॥ उं वज म ल ॥ उं वं गी ग ॥ उं व
ज नी ल ॥ उं वज प ॥ उं वज ध ॥ उं वज व ल की ग ॥
॥ उं वज गं ध ॥ उं वज द ॥ उं व ॥ उं व ॥
॥ उं ध म धा गु व ज ॥ ॥ ध म वा द न ॥ उं वा हा ॥ उं वा

॥ वा हा ॥ ध म ॥ उं वज स त्व सं त्या दि ॥ ॥ फु ति ॥ सर्व हू हान म
दा हं जग द र्थ प्र सा द कं ॥ चि ना म ॥ वि यो ह नं ॥ श्री स म्ब ल न
मा मु क्त ॥ वा फी वि ष्णु म हा हानं स र्वा म धि स वा रु तं क या का
ध म हा नो दं ॥ श्री स म्ब ल न मा मु क्त ॥ कि त न ॥ ॥ ध न म ल प्र ष
न ॥ उं न मा र ग व न वी न वी न ष्ण वा य दू दू दू ॥ उं न मा म हा क ल्या

मिः सनिराय दूंदूदूदू ॥ उंन मा ज ठ म क द क ट य दूंदूदूदू ॥ उंन
 मा ड क क ना लो लि म रा य दूंदूदूदू ॥ उंन मा स द भू त ज ल ग भू
 वा य दूंदूदूदू ॥ उंन मा प न भु पा ष म य न भू ल ख द्वा ग धा नि दूदू
 दूदूदू ॥ उंन मा वा घ व भो वि न धे वा य दूंदूदूदू ॥ उंन मा म हा ध
 मा ध को य य प्वा य दूंदूदूदू ॥ ॥ पा प द स धा या य ॥ न गा पा

पद ण नां क त का वि त म नू मा दि त म घ म रि व मि दि त दा वा ना
 प मि द ण या मि प् न त प न न य लः स व ल वि धि धा णा व क ख कू
 णि ना ल म ष णि न स स र र गा नि क णा ला नि ञ नू मा दि का
 नि वा धो स म्भ क य वि णा म या मी णि न न ला नी न् मि उ य ज
 न धी या ग मा मि स र व न वा धो वि ल वि ध धा ञ नू त य मा

हा न पूजा ॥ लाब्धा ॥ उं वजास्यद् ॥ त्या वि० ॥ कि न न ॥ उं सर्व ह हान सं
 ॥ त्या दि० ॥ मंग ॥ पु ये न ॥ उं न भा र ग क वि न वि न स न य दू द द ॥
 त्या दि० ॥ पा प द स ना या य ॥ ग ना पा प द ण नां ॥ ॐ त्या दि० ॥ जो प
 या य ॥ उं ख ल व स द ॥ ॐ त्या दि० ॥ ज ध म्मा ॥ ॐ त्या दि० ॥ ॥ पु व
 न् ॥ आ क र्ष द ॥ रं रं रं ॥ आः पाः पंः लाः र्यः लु गिः प्र य्य ॥ ॐ गि पूर्व म्

३ ली

३ ग इ प नि र्नी का म ग्नि म धुं क गु शु क आ ॥ कान प पि दान शु क य म्मां क न म्
 धु ला दि या ग म्मी ती य ॥ ३ ॥ ॐ गि जा प जा ग ॥ ॥ ग ना र्यः
 का न ध वा य म्म ली प नी ली ला जा ॥ ॐ गि म्मां ॥ ॥ ग ना र्यः
 ॐ गि म्मां ॥ ॐ गि म्मां ॥ ॐ गि म्मां ॥ ॐ गि म्मां ॥ ॐ गि म्मां ॥ ॐ गि म्मां ॥
 गं ॥ ग ना प विः वूं जां उं र वं दं ॥ लां मां पां तां दं का ल जा नः प क म्म नः प
 क्क प दि पः नृ पं नि ष्या य ॥ पु व न म्म लः व न ध प विः ठा नि ता अ
 णि न य च्छि का य नि व्य व स्ति ॥ = ३

